एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED

(A Govt. Of India Enterprise)

Recycling Waste
Protecting Environment
Promoting Growth

46

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report 2010-11

हमारे प्रेरणास्रोत माननीय मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्माजी एमएसटीसी के कार्यों की समीक्षा करते हुए

Our inspiring Minister Hon'ble Shri Beni Prasad Vermaji reviewing the work of MSTC

एमएसटीसी का जायजा लेते हुए

While taking stock of MSTC

माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमएसटीसी सीएमडी से विचार विमर्श करते हुए।

Hon'ble Minister interacting CMD, MSTC with his high official team.

Looking Forward!

भविष्य की ओर

46

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

2010-11

निदेशक मंडल
Board of Directors 2

दृष्टि एवं ध्येय
Vision & Mission 4

अध्यक्षीय भाषण
Chairman's Statement 6

निदेशक मंडल की रिपोर्ट
Directors' Report 8

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report 31

सीएजी की टिप्पणी
Comments of CAG 37

तुलन-पत्र
Balance Sheet 38

लाभ-हानि खाता
Profit & Loss Accounts 39

तुलन-पत्र सार तथा कंपनी के सामान्य कारोबार की रूपरेखा
Balance Sheet Abstract and Company's General Business Profile 61

नगद प्रवाह ब्यौरा
Cash Flow Statement 63

सहायक कंपनी का विवरण
Statement regarding subsidiary company 64

सहायक कंपनी का प्रतिवेदन एवं लेखा : फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

Accounts & Report of subsidiary company : Ferro Scrap Nigam Limited

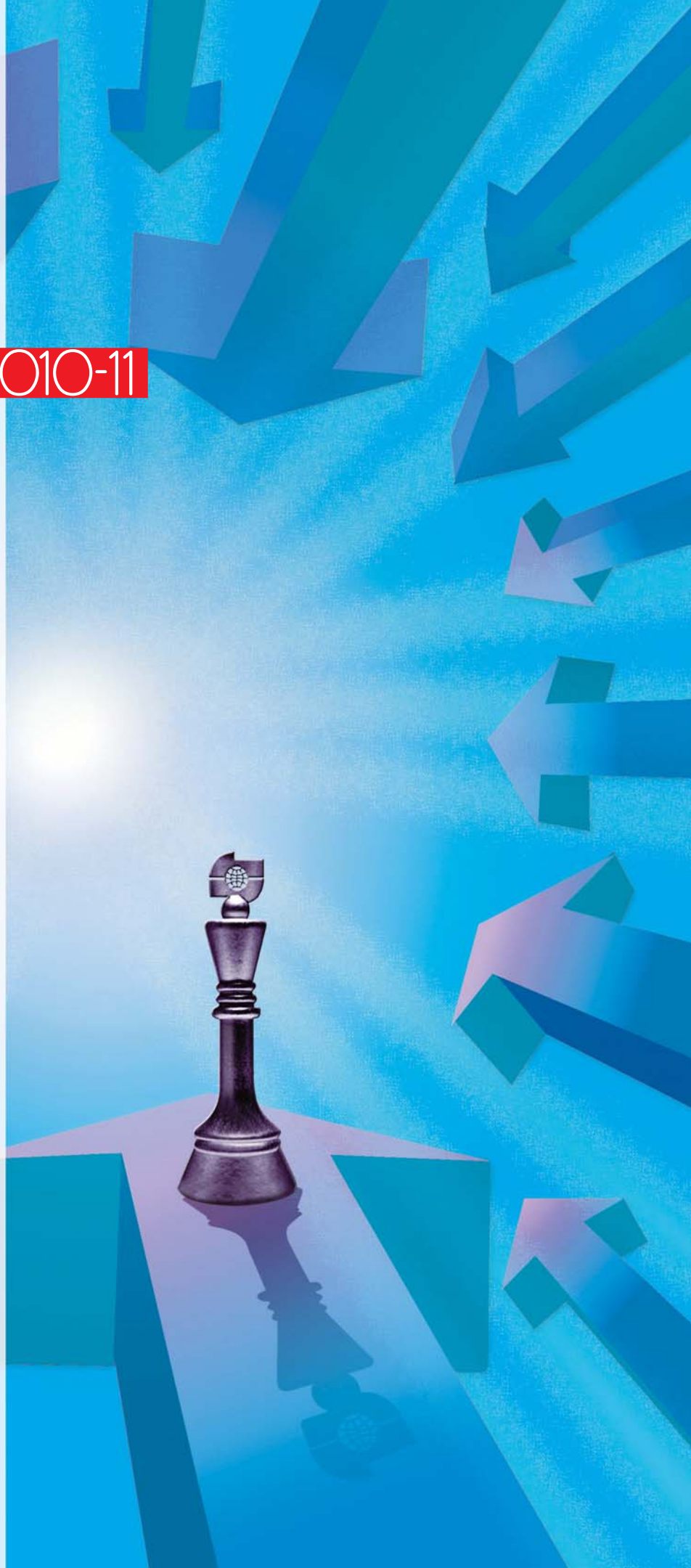

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Shri S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

डॉ. दलीप सिंह, आईएएस
(20.10.10 तक)
Dr. Dalip Singh, IAS
(upto 20.10.10)

श्री जे. पी. शुक्ला
(20.10.10 से)
Shri J. P. Shukla
(from 20.10.10)

सुश्री अनुसुया बसु
(08.11.10 तक)
Ms. Anusua Basu
(upto 8.11.10)

श्री जी. एस. चुघ
Shri G. S. Chugh

श्री एल. सिद्धार्थ सिंह
Shri L. Siddhartha Singh

श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu

श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh

श्री के. एल. मेहरोत्रा
(13.12.2010 से)
Shri K. L. Mehrotra
(from 13.12.2010)

श्री डी. पी. सिंह
(20.06.2011 से)
Shri D. P. Singh
(from 20.06.2011)

प्रबंधन दल
Management Team

श्री एस. एस. चौधुरी
मुख्य महा प्रबंधक (परिचालन)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (O)

सुश्री मधुमिता बसु
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Ms. Madhumita Basu
CVO

श्री ए. के. दस्तिदार
मुख्य महाप्रबंधक (सीपी)
Shri A. K. Dastidar
CGM (CP)

श्री तापस बसु
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
Shri Tapas Basu
GM (F&A)

श्री अशोक कुमार
महाप्रबंधक (बीडी)
Shri Ashok Kumar
GM (BD)

श्री डी. चक्रवती
महाप्रबंधक (ईआरओ)
Shri D. Chakraborty
GM (ERO)

कंपनी सचिव
श्री सुब्रत कुमार राय

Company Secretary
Shri Subrata Kumar Ray

लेखापरीक्षक
दास एंड प्रसाद
सनदी लेखापरीक्षक

Auditors
M/s. Das & Prasad
Chartered Accountants

बैंकर्स

आईसीआईसीआई बैंक	ICICI Bank
एचडीएफसी बैंक	HDFC Bank
बैंक ऑफ इंडिया	Bank of India
इंडियन बैंक	Indian Bank
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	Union Bank of India
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	State Bank of India
पंजाब नेशनल बैंक	Punjab National Bank
युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया	United Bank of India
इंडियन ओवरसीज बैंक	Indian Overseas Bank

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड
कोलकाता 700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road
Kolkata 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि एवं ध्येय | Vision & Mission

दृष्टिकोण

व्यवसाय में विषेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना।

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा इ-कॉमर्स के माध्यम से जहां तक संभव होगा पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देसी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्त्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप मे उभरना और इस संदर्भ में अंतराष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लाजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजसक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15% आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for the various commodities handled by it making the transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce/e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

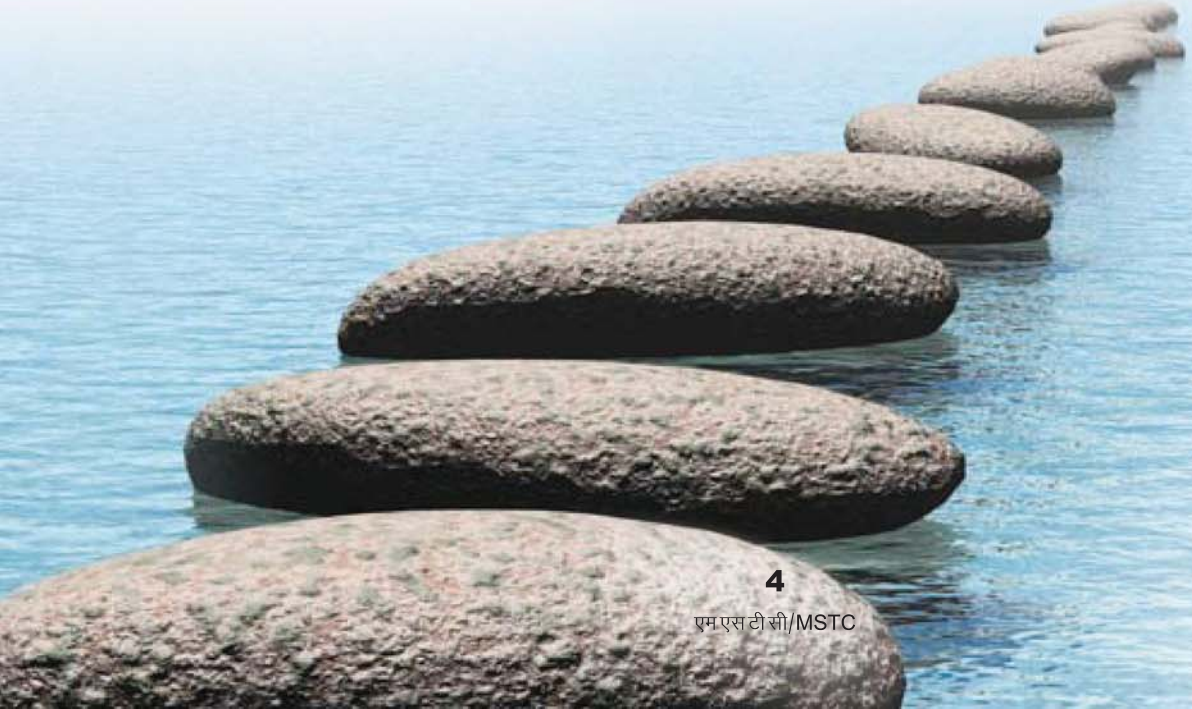

आज एमएसटीसी मिनी रत्न कैटेगोरी-I सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह शेड्यूल्य-बी कंपनी है। यह इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनाधीन है।

एमएसटीसी लिमिटेड का गठन 1964 में हुआ था। एक छोटी-सी ट्रेडिंग कंपनी आज एक बहुउत्पाद ट्रेडिंग कंपनी में बदल चुकी है। यह भारतीय उद्योग के इस्पात एवं संबंधित क्षेत्र के आयातित और देशीय कच्चे माल की सोर्सिंग करने के रूप में मुख्य भूमिका अदा कर रही है।

एमएसटीसी का प्रधान कार्यालय कोलकाता में है। इसका आज क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई में है। शाखा कार्यालय बैंगलोर, बड़ौदा एवं विशाखापत्तनम में है। दो फिल्ड कार्यालय त्रिची और भोपाल में है।

एमएसटीसी आज निरंतर लाभ देने वाली कंपनी है। इसने राष्ट्र के लिए धन अर्जित किया है। लाभांश, कर और लाभ के माध्यम से इसने देश के राजस्व में अपना योगदान दिया है। 2010-11 में इस कंपनी का रिकार्ड करपूर्व लाभ रु.149.40 करोड़ है और इसकी आरक्षित राशि रु.503.00 करोड़ है।

एमएसटीसी स्क्रैप के पुनश्चक्रण में सहयोग करता है ताकि इनका कच्चे माल के रूप में औद्योगिक उपयोग हो सके। इससे लागत खर्च कम हो जाता है। प्राकृतिक संसाधनों की संरक्षा होती है और अंतिम रूप से पर्यावरण की रक्षा होती है। अगर औद्योगिक कचड़े का पुनश्चक्रण न किया जाय तो टोक्सिन वातावरण में घुल जाएगा और पर्यावरण को प्रदूषित करेगा और मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वर्ष 2010-11 में रु. 2568 करोड़ का स्क्रैप पुनश्चक्रण के लिए एमएसटीसी पोर्टल से इ-ऑक्सन के माध्यम से भारत के विभिन्न हिस्सों के ग्राहकों को बेचा गया है।

एमएसटीसी गरीबों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्ध है और नैगमिक सामाजिक दायित्व के निर्वाह और समुचित सेवाओं के माध्यम से अलग तरह से सक्षम लोगों की गुणवत्ता को भी उन्नत करती है।

कारपोरेट गवर्नेन्स के दिशा-निर्देशों के अनुसार एमएसटीसी के पास वरिष्ठ प्रबंधकों की प्रतिबद्ध और सक्षम टीम है और छोटी, मगर शिक्षित एवं प्रभावकारी 316 कर्मचारियों की टीम कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में है।

एमएसटीसी आज | MSTC TODAY

MSTC today is a category I, miniratna Public Sector Schedule B Company under the administrative control of Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964, MSTC Ltd., a small trading company has grown into a large multiproduct diversified trading company serving the Indian industry by being a prime catalyst in sourcing of imported/domestic raw materials for the steel and allied sector.

Headquartered at Kolkata, MSTC today is having regional office at Kolkata, Delhi, Chennai and Mumbai with branch offices at Bangalore, Vadodara, and Visakhapatnam. Two field offices are located at Trichy and Bhopal.

MSTC today is a continuous profit making company creating wealth for the nation by a large contribution with its dividend, Taxes and profit. Company ended up the year 2010-11 with all time record profit before tax of Rs. 149.40 Crore and has created a reserve of Rs. 503.00 Crore.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserves natural resources and ultimately protects the environment. If industrial waste is not recycled, the toxins will mix with the atmosphere and cause damage to the environment and affecting human life adversely. In 2010-11, scrap worth Rs. 2568 crore was sold for recycling on MSTC's e-portal through e-auction for various customers spread all across India.

MSTC is committed to the upliftment of poor and improving the quality of life of "differently abled persons" by various CSR initiatives and appropriate services.

MSTC has a committed and competent team of senior management as per Corporate Governance guidelines and a small but qualified and effective team of 316 employees located at different offices of the company.

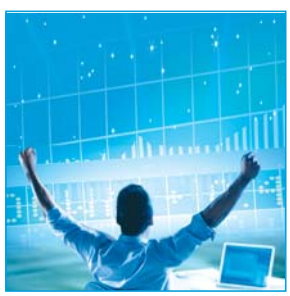

Recycling Waste
Protecting Environment
Promoting Growth

प्रिय सदस्यो,

मैं इस कंपनी के शेयरधारकों की 46 वीं वार्षिक साधारण सभा में संबोधन करते हुए अपने को सचमुच विशिष्ठ महसूस कर रहा हूं। सर्वप्रथम मैं आपसे अपना आनंद और खुशियां बांटना चाहता हूं। यह दूसरा वर्ष है जब यह कंपनी अपनी व्यवसायिक रिकॉर्ड को तोड़ रही है।

2009-10 का समय एमएसटीसी के लिए मन्दीं से बाहर आने का वर्ष था और 2010-11 अपने को जमाने का वर्ष था। कई बड़े व्यापारियों ने हमारे साथ व्यवसाय करना बंद कर दिया और छोटे सेवा-प्रदाताओं से प्रतिद्वंद्विता करते हुए हमने अपने मूल क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत बनायी है। अभिनव रणनीतियों को आत्मसात करने की वजह से यह संभव हुआ था। संभव इसलिए भी हुआ था कि एमएसटीसी टीम ने न केवल अपने व्यवसायिक मॉडल की समीक्षा और निगरानी की, बल्कि अपने प्रिंसपलों और ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने के लिए त्वरित पहल की। हमने अपने व्यवसाय में नयी सामग्री मसलन, मैंगानीज, चाय, कोयला, कृषि-उत्पाद तथा मानव-केश आदि को शामिल किया।

हमने चुनौतियों और कठोर प्रतिद्वंद्विताओं का सामना करते हुए भी इस वर्ष रु 14101 करोड़ का व्यवसाय किया। यह पिछले वर्ष से लगभग 11% अधिक है। मैं कर्मचारियों की निष्ठा, भारत सरकार, व्यवसायिक सहयोगियों के समर्थन तथा शोयरघारकों का हमारे प्रति भरोसे को स्वीकार करता हूं। इसकी वजह से पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर व्यवसाय करना कंपनी के लिए संभव हो सका और अपने सभी हितधाारकों की अपेक्षानुसार व्यवसाय कर सकी।

Dear Members,

I feel truly privileged to address the shareholders at 46th Annual General Meeting of the company. First of all I would like to share my joy and happiness on yet another year of record breaking performance of the company.

While 2009-10 was the year of recovery for MSTC, the year 2010-11 was the year of consolidation. Despite a few big customers stopping business with us and competition from small service providers, we have strengthened our position in our core area of activities. This was possible with adoption of innovative strategies, reviewing and monitoring of business models and prompt response by MSTC team to meet the requirements of our principals / customers. We have entered into business in new commodities like manganese, tea, coal, agri-products, human hair, etc.

Despite challenges and stiff competition, we ended up the year with a volume of business of ₹ 14,101 crore, which is around 11% more than the last year. I acknowledge the commitment of the employees, support of the Government, business associates and trust of the shareholders reposed on the management of the company. This enabled the company to perform better than the last year and deliver the expected performance for the benefit of all stake holders.

अब आपकी कंपनी में आठ निदेशक हैं। इनमें से तीन स्वतंत्र निदेशक हैं। यह निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों के अनुसार है। निदेशक मंडल की लेखा परीक्षण समिति नियमित बैठक करती है और वित्तीय लेन-देनों तथा ब्योरों पर निगरानी रखती है।

भारत सरकार के निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों के अनुपालन के साथ-साथ जब-जब आवश्यकता होती है आपकी कंपनी अभिशासन की बेहतर प्रचलन को आत्मसात करती है। आपकी कंपनी अपनी सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्ध है। इस कंपनी ने देश के विभिन्न हिस्सों में प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य-सुरक्षा, पेय जल एवं स्वच्छता, निर्धनों के लिए व्यवसायिक-प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्थान की परियोजनाएं स्वीकार की हैं।

Your company is now having eight directors with three independent directors as per requirements of Corporate Governance Guidelines. The Audit Committee of the Board meets regularly and is vigilant on the financial transactions and statements.

Apart from complying with the Government's Corporate Governance Guidelines, your company is also adopting better governance practices wherever it is felt desirable. Your company is also committed to social responsibility and various social upliftment projects have been taken up throughout the country in the area of primary education and health care, drinking water and sanitation, vocational training for the poor etc.

अध्यक्षीय भाषण | CHAIRMAN'S STATEMENT

आपकी कंपनी ने इस वर्ष रु 149 करोड़ का कर पूर्व लाभ किया है। यह पिछले वर्ष से 10% अधिक है। आपके पास रु 503 करोड़ का एक समृद्ध आरक्षित निधि है। यह साल-दर-साल अर्जित लाभ से बनी है। इसकी वजह से भविष्य में विकास को दृष्टि में रखते हुए और अधिक व्यवसायिक कार्य करना संभव होगा।

एमएसटीसी के मूल कार्यों में एक कार्य है अपने ग्राहकों के लिए स्क्रैप और कचड़ा के पुनश्चक्रण में सहयोग करके आय अर्जन करना। इसकी वजह से प्राकृतिक संसाधनों की संरक्षा तथा मुख्य उत्पादों के विनिर्माण में उर्जा की खपत को कम करने में एमएसटीसी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। हम एमएसटीसीवासियों को इस बात का गर्व है कि भारत में यह कार्य करने वाली यह अकेली कंपनी है। एमएसटीसी प्रतिवर्ष रु 2568 करोड़ तक का स्क्रैप बेचा करती है।

हमने स्क्रैप प्रक्रमण संयंत्र में दीर्घ अवधि निवेश के लिए पहल आरंभ की है और अंततः शेयरधारको के लिए संपद अर्जन करने के लिए शेयरधारकों के कोष के निवेश की आवश्यकता होगी।

मैं आश्वश्त हूं कि इस कंपनी के लिए व्यवसायिक संभावना उत्साहजनक है। नए व्यवसायिक क्षेत्र मसलन कृषि-उत्पाद, वन उत्पाद, तिरुपति मंदिर के मानव केश के ट्रेडिंग का आरंभ - इनकी मात्रा विपुल है और इसीलिए लाभप्रद है। हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने यह आदेश दिया है कि कर्नाटक में उदभूत आयरन ओर की विपुल मात्रा केवल एमएसटीसी के माध्यम से बेची जाए। हम अपने प्रिंसपलों को उनकी अपेक्षाओं के अनुकूल सेवाएं देने के लिए अपने इ-कामर्स की संरचना को निरंतर बेहतर बना रहे हैं।

प्रिय सदस्यो! आप मेरे साथ इस बात पर सहमत होंगे कि हर कंपनी में कुछ क्षेत्र चिंता के दायरे में आते हैं। हमने 2008 में आभूषणों का निर्यात दुबई और पड़ोसी देशों को किया था।

हालांकि इसीजीसी ने उधारी की गारंटी ली थी, परंतु इसने हमारे दावे का अभी तक भुगतान नहीं किया है। हमलोगों ने भारत और दुबई में बसूली के लिए कानूनी कार्रवाईयां आरंभ कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि न्याय होगा और हमारी बकाया राशि हमें मिलेगी।

वर्ष 2010-11 का वार्षिक रिपोर्ट आपके पास है। इसमें कंपनी के व्यवसाय के संबंध में विस्तार से बताया गया है। निष्कर्षतः मैं इसकी पुष्टि करता हूँ और आश्वश्त करता हूं कि यह कंपनी शेयरधारकों के लिए आय करने के लिए, भविष्य में व्यवसाय को बढ़ाने के लिए, विकास दर को बनाए रखने के लिए और प्रचलन को मानने के लिए हर प्रयास करेगी।

मैं भारत सरकार के प्रति, सभी सार्वजनिक उपक्रमों, भहत्वपूर्ण ग्राहकों और हितधारकों के प्रति हम पर भरोसा करने के लिए तथा निरंतर समर्थन देने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ।

दशहरा एवं दीपावली के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

जयहिंद।

एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
46वीं वार्षिक साधारण सभा
20 सितम्बर, 2011

Your company closed the year with a Profit Before Tax of ₹149 crore which is around 10 %. more than the last year. You have with you a healthy reserves of ₹ 503 crore, created out of profits earned from year to year. This will enable the company to take up additional business activities with an eye on growth in years to come.

One of the core areas of MSTC has been to facilitate recycling for creation of wealth for its customers from scrap and waste. MSTC therefore plays a major role in conserving natural resources and economising in consumption of energy in manufacture of prime products. We in MSTC are very proud of the fact that we are the only company engaged in this activity in India. MSTC sells reusable scrap to the extent of ₹ 2568 crore p.a.

We have also taken initiatives for long term investment in scrap processing plant and would be required to invest shareholders' fund for ultimate wealth creation for the shareholders.

I am confident of the encouraging business prospects for the company. New areas of business like trading in agricultural products, forest products, human hair from Tirupati Temple are being ventured into which are of immense volume and therefore lucrative. Recently, Hon'ble Supreme Court has ordered that huge quantity of iron ore raised in Karnataka to be sold through MSTC only. We are also gearing up our e-commerce infrastructure continuously to deliver desirable services to our principals.

Dear Members, you would agree with me that every organization has some area of concern. We have made jewelry export in the year 2008 to Dubai and neighboring countries. Though the credit was guaranteed by ECGC, ECGC have not settled our claim. We have already taken legal steps both in India and Dubai for recovery and have trust in the judiciaries of both the countries. We hope that the equity will prevail and we will be able to recover the outstanding dues.

The Report of the Board for the year 2010-11 is already with you having details of the performance of the company. To conclude, I reaffirm and assure all of you that all efforts are being made and shall be made in future to enhance business, maintain growth curve and follow practices for ultimate creation of wealth for the stakeholders of the company.

I am also thankful to the Government, sister PSUs, our valued customers and stakeholders for reposing faith in us and giving their continuous support.

Best wishes of Puja and Deepawali.

Jai Hind!

S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director
46th Annual General Meeting
20th September, 2011

निदेशक मंडल की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारको,
एमएसटीसी लिमिटेड,

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 46वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **रु.8167.75** करोड़ है। पिछले वर्ष 2009-2010 में **रु. 6353.57** करोड़ थी। 2009-2010 के समानांतर 2010-2011 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2010-11	2009-10
स्क्रैप और मैंगनीज की बिक्री	2568.08	2015.83
कोयले की बिक्री	5565.48	4084.00
कुल (क)	**8133.56**	**6099.83**

ख) इ-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2010-11	2009-10
इ-प्रोक्योरमेंट	34.19	253.74
कुल (क+ख)	**8167.75**	**6353.57**

ग) व्यापार

व्यापार प्रभाग द्वारा किए गए व्यवसाय की कुल राशि रु. 5933.02 करोड़ है। पिछले वर्ष 2009-2010 में रु. 6384.87 करोड़ थी। 2009-2010 के समानांतर 2010-2011 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)*	
	2010-11	2009-10
खरीद:		
आयातित सामग्री	2580.77	3783.92
देशीय सामग्री	3352.25	2395.87
निर्यात	0.00	205.08
कुल (ग)	**5933.02**	**6384.87**
महायोग (क+ख+ग)	**14100.77**	**12738.44**

DIRECTORS' REPORT

To

The Shareholders
MSTC Limited.

Directors are pleased to present the 46th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2011.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at **Rs. 8167.75 Cr.**, against **Rs. 6353.57 Cr.** in 2009-10. Break-up for the year 2010-11 vis-à-vis 2009-10 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2010-11	2009-10
Sale of Scrap & Manganese	2568.08	2015.83
Sale of Coal	5565.48	4084.00
Total (A)	**8133.56**	**6099.83**

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2010-11	2009-10
e-Procurement	34.19	253.74
Total (A+B)	**8167.75**	**6353.57**

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of **Rs.5933.02 Cr.**, against **Rs.6384.87 Cr.** in 2009-10. Break-up for the year 2010-11 vis-à-vis 2009-10 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (Rs. in Crore)*	
	2010-11	2009-10
Procurement of:		
Imported materials	2580.77	3783.92
Indigenous materials	3352.25	2395.87
Export	0.00	205.08
Total (C)	**5933.02**	**6384.87**
Grand Total (A+B+C)	**14100.77**	**12738.44**

विगत पांच वर्षों के व्यापार की मात्रा